ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:21.05.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-05-21(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	22/05/2024	23/05/2024	24/05/2024	25/05/2024	26/05/2024
वर्षा (मीमी)	7.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	27.0	27.0	28.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान (से.)	14.0	14.0	15.0	15.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	65	65	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	8	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 21 मई को 7 मिमी की बहुत हल्की वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.0-28.0oC और 14.0-16.0oC के बीच रहने की भविष्यवाणी की गई है। 8-10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की आशंका है। आगामी सप्ताह के दौरान शुष्क मौसम बना रहेगा।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से उपलब्ध "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई अधिकांश फसलों की कटाई और ताजा बुआई के कारण क्षेत्र में मध्यम और नंगी मिट्टी की स्थिति को दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 17.05.2024 से 23.05.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को दर्शाता है।शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए फसलों में गर्मी के झटके को नियंत्रित करने के लिए बार-बार सिंचाई और 1% बोरॉन, 1% KNO3, एस्कॉर्बिक या सैलिसिलिक एसिड का उपयोग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए फसल के पौधों को गर्मी के झटके से बचाने के लिए खेती के कार्यों को निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	बुआई	मध्यम ऊंची पहाड़ियों में सिंचित परिस्थितियों में नर्सरी तैयार करनी चाहिए और अधिक उपज देने वाली किस्मों के उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए। चेतकी धान में नियमित निराई-गुड़ाई एवं सिंचाई करनी चाहिए। पौध को क्षति से बचाने के लिए नर्सरी में पानी बनाए रखना चाहिए।
अरहर	बुआई	आवश्यकता पड़ने पर फसल की सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए। नमी की कमी के लिए 1% KNO3 स्प्रे या पौधे में गर्मी के झटके से बचने के लिए एस्कॉर्बिक/सैलिसिलिक एसिड का प्रयोग।
मक्का	बुआई	मक्के की बुआई जारी रखी जा सकती है और आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्चिंग करनी चाहिए।
झंगोरा	बुआई	ऊंची पहाड़ियों में पारंपरिक किस्मों या अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोना चाहिए। बुआई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
मंडुआ	बुआई	ऊंची पहाड़ियों में इन फसलों को दूसरे पखवाड़े में बोया जा सकता है। अधिक उपज देने वाले एवं अच्छी तरह से उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए। बुआई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन/शिमला मिर्च	वानस्पतिक	एक माह पुरानी रोपाई वाली फसल में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्चिंग करनी चाहिए।
कद्दू वर्गीय सब्जियों/ अन्य खीरे के प्रजातियां	वानस्पतिक/फलदायी	पत्तियों के धब्बेदार दिखने की स्थिति में , पौधों को अलग कर देना चाहिए और रस चूसने वाले कीटों के लिए सर्वांगी का उपयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार नियमित सिंचाई करनी चाहिए। नमी की कमी के लिए 1% KNO3 स्प्रे या पौधे में गर्मी के झटके से बचने के लिए एस्कॉर्बिक/सैलिसिलिक एसिड का प्रयोग।
आम	फल बनना	उच्च तापमान के कारण फल गिर सकते हैं और फल की वृद्धि प्रभावित हो सकती है , इसलिए गर्मी के झटके से बचने के लिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई और मल्च का अभ्यास करना चाहिए।
लीची	फल बनना	कम पानी और नमी के कारण फल टूटते हैं इसलिए गर्मी के झटके से बचने के लिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित

		सिंचाई और मल्च का अभ्यास करना चाहिए।
आड़ू/पुलम	फल बनना	उच्च तापमान के कारण फल गिर सकते हैं और फल की वृद्धि प्रभावित हो सकती है , इसलिए गर्मी के झटके से बचने के लिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई और मल्च का अभ्यास करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	विदेशी गायों की उत्पादकता बनाए रखने और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरण जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके पशु शेड का तापमान बनाए रखा जाना चाहिए। विदेशी गायें अधिक गर्मी सहन करने में असमर्थ होती हैं, जिसके कारण उनकी भोजन ग्रहण करने की क्षमता कम हो जाती है, जिसका असर उनके उत्पादन पर पड़ता है। अत: विदेशी गायों के उत्पादन को बनाए रखने और बीमारियों से बचाव के लिए पशु शेड का तापमान पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरणों जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके बनाए रखा जाना चाहिए।
भैंस	गर्मी के मौसम में पशु शेड के पास की नालियों में समय-समय पर मेलाथियान या अन्य कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। पशुओं को पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। पीने के बर्तनों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए। यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	कद्दूवर्गीय फसलों में अंतरसांस्कृतिक क्रियाएं करनी चाहिए। फसलों में शाम के समय सिंचाई करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्च का प्रयोग करना चाहिए।